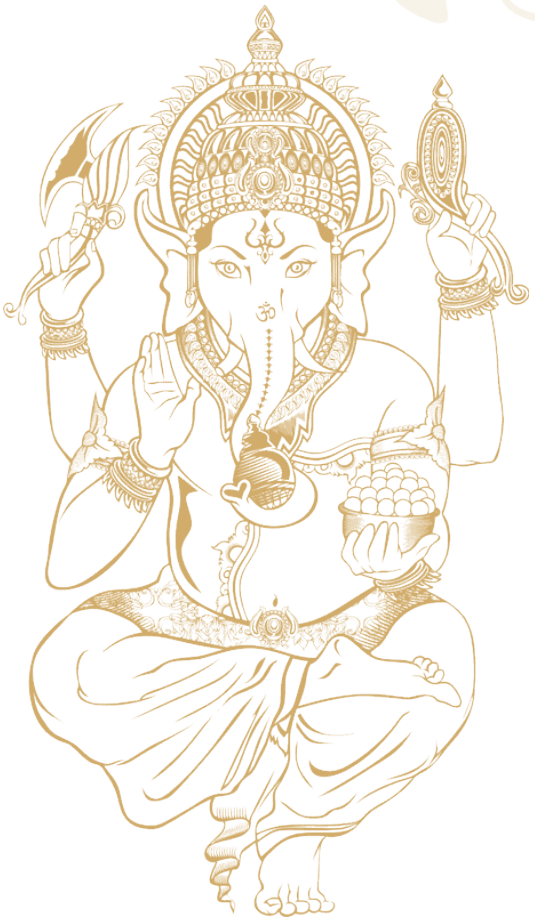

Sagar

Sonam

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120901504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
3-04/10/1993	जन्म तिथि	05/06/1991
रवि-सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 06:11:00	जन्म समय	18:00:00 घंटे
घटी 59:43:31	जन्म समय(घटी)	31:27:34 घटी
India	देश	India
Rohtak	स्थान	Rohtak
28:54:00 उत्तर	अक्षांश	28:54:00 उत्तर
76:38:00 पूर्व	रेखांश	76:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:28	स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:35	सूर्योदय	05:24:58
18:05:56	सूर्यास्त	19:18:55
23:46:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:30

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 6वर्ष 6मा 5दि		14:40:12	कन्या	लग्न	वृश्चि	04:36:51	राहु 1वर्ष 1मा 20दि	
राहु		17:02:10	कन्या	सूर्य	वृष	20:36:53	शनि	
10/04/2023		22:19:27	मेष	चंद्र	कुंभ	19:09:23	25/07/2008	
09/04/2041		10:55:27	तुला	मंगल	कर्क	12:08:27	26/07/2027	
राहु	21/12/2025	10:07:52	तुला	बुध	वृष	07:04:45	शनि	29/07/2011
गुरु	15/05/2028	28:09:40	कन्या	गुरु	कर्क	15:59:03	बुध	07/04/2014
शनि	22/03/2031	21:26:05	सिंह	शुक्र	कर्क	05:43:16	केतु	17/05/2015
बुध	09/10/2033	00:20:43	कुंभ व	शनि व	मक	12:48:03	शुक्र	17/07/2018
केतु	27/10/2034	10:23:18	वृश्चि व	राहु व	धनु	25:42:34	सूर्य	29/06/2019
शुक्र	27/10/2037	10:23:18	वृष व	केतु व	मिथु	25:42:34	चन्द्र	27/01/2021
सूर्य	21/09/2038	24:28:19	धनु	हर्ष व	धनु	19:11:11	मंगल	08/03/2022
चन्द्र	22/03/2040	24:36:22	धनु	नेप व	धनु	22:27:36	राहु	12/01/2025
मंगल	09/04/2041	29:59:26	तुला	प्लूटो व	तुला	24:32:32	गुरु	26/07/2027

लग्न-चलित

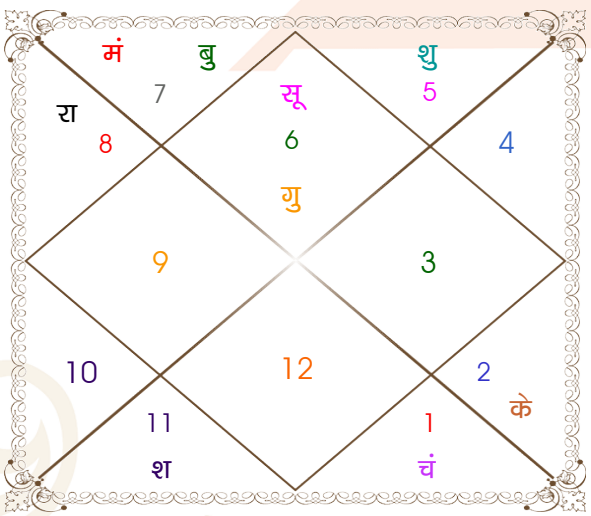

लग्न-चलित

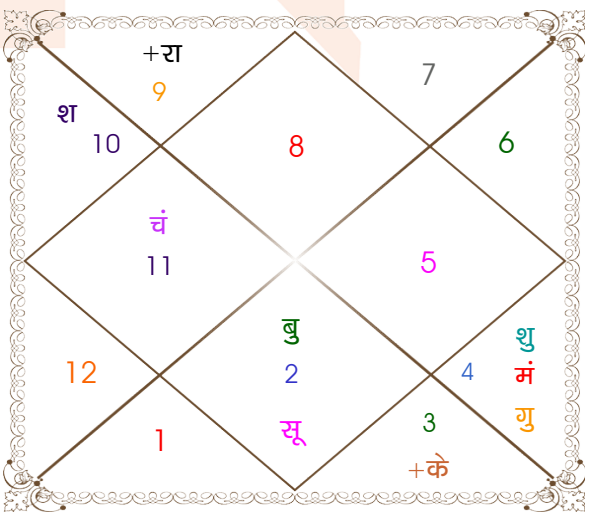

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

ैहंत का वर्ग मृग है तथा ैवदंउ का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ैहंत और ैवदंउ का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ैहंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ैवदंउ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ैहंत तथा ैवदंउ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।